(ख) यदि हां, तो क्या देश भर में इस प्रकार का कोई सर्वेक्षण कराया गया है कि किन-किन प्रांतों में और किस प्रकार से "साहसिक पर्यटन" को विकसित किया जाय ताकि साहसिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, हां।

(ख) राज्य सरकार साहसिक पर्यटन से संबंधित स्कीमों का अधिनिर्धारण करती हैं जिनके लिये केन्द्रीय सरकार वित्तीय सहायता मुहैया कराती है। यात्रा प्रचालकों ने भी पर्यटकों की मांग के अनुसार साहसिक पर्यटन कार्यकलापों का विकास किया है। गत तीन वर्षों के दौरान, पर्यटन विभाग ने भारत में विभिन्न राज्य सरकारों को साहसिक पर्यटन के विकास के लिये निम्नलिखित राशियां अवमुक्त की हैं:—

(रु० लाखों में)

1991–92	1992–93	1993–94
336–37	270.00	279.97

हिमाचल प्रदेश में वायुदूत-उड़ानों का प्रचालन

2313. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर राज्यों में वायुदूत की उड़ानें पुनः आरम्भ कर दी गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो ये उड़ानें कौन-कौन से स्थानों के लिए आरम्भ की गई हैं ;

(ग) क्या पूर्वोत्तर राज्यों की भांति हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों के लिए भी उड़ानें की तरह ही वायुदूत की उड़ानें पुनः आरम्भ की जायेंगी ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी हां।

(ख) इस समय निम्नलिखित 13 स्टेशन वायुदूत की सेवा से जुड़े हुए हैं :—

1. कलकत्ता 2. कूचबिहार 3. बागडोगरा 4. अगरतल्ला 5. शिलांग 6. एज्जवाल 7. गुवाहटी 8. सिलचर 9. दीमापुर 10. लीलाबाड़ी 11. डिब्रूगढ़ 12. तजूक 13 जरों।

(ग) और (घ) वित्तीय **कठिनाइयों और विमान क्षमता की कमी के कारण** बहुत सार स्टेशनों की सेवाएं **धीरे-धीरे** बन्द कर दी गई हैं। वायुदूत की हिमाचल प्रदेश राज्य में सेवाएं पुनः शुरू करने की कोई तत्काल योजना नहीं है।

सिक्किम में हवाई-पट्टी का निर्माण

2314. **श्री महेश्वर सिंह** :
क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय राष्ट्रीय विमान-पत्तन प्राधिकरण ने सिक्किम में हवाई पट्टी बनाने के लिए दो तीन वर्ष पूर्व राज्य-वार सरकार के आग्रह पर कोई सर्वेक्षण कराया था ;

(ख) यदि हां, तो कब और क्या सरकार इस रमणीक राज्य में एक हवाई पट्टी बनाने का विचार रखती है ; और

(ग) यदि हां तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) संसाधनों की तंगी के कारण राष्ट्रीय विमानपतन प्राधिकरण की सिक्किम में हवाई अड्डे के निर्माण की इस समय कोई योजना नहीं है।

होटल प्रबंध संस्थान, भोपाल द्वारा दिये गये विज्ञापन

2315. **श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992 के दौरान तथा 31 मई, 1994 तक की अवधि के दौरान होटल प्रबन्ध संस्थान, भोपाल द्वारा विभिन्न पदों के लिए किन-किन स्थानीय समाचार पत्रों में कितने-कितने विज्ञापन दिए गए हैं ;

(ख) उक्त विभिन्न पदों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए कितने पद आरक्षित थे; और

(ग) उनमें से वस्तुत: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को कितने पद दिए गए हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) से (ग) 1992 से लेकर मई, 1994 की अवधि के दौरान होटल प्रबन्ध संस्थान, भोपाल ने विभागाध्यक्ष के दो पदों के लिए 28-4-93 तथा 28-4-94 को विज्ञापन जारी किए थे। संस्थान द्वारा विज्ञापित विभागाध्यक्ष के दो पदों में से एक पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था। विभागाध्यक्ष का आरक्षित पद योग्य अभ्यार्थियों के नहीं मिलने के कारण, अब तक भरा नहीं गया है। 28-4-93 को जारी प्रथम विज्ञापन, इम्प्लायमेंट न्यूज, हिन्दुस्तान टाइम्ज, नई दिल्ली, द टाइम्ज आफ इंडिया, बम्बई तथा रोजगार निर्माण भोपाल (हिन्दी संस्करण), में दिया गया था। दूसरा विज्ञापन 28-4-94 को इम्प्लायमेंट न्यूज, नई दिल्ली, में जारी किया गया था जिसमें विभागाध्यक्ष का एक पद अनन्यत: अनुसूचित जातियों के लिए, आरक्षित किया गया था ।

Contruction of new airports in Gujarat

2316. SHRIMATI ANANDIBEN JETHABHAI PATEL: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether the Government of Gujarat has requested the Central Government to construct new airports in the States;

(b) if so, the details thereof and the names of the places finally selected for this purpose; and

(c) the action taken in this matter so far?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (c) No specific proposal for construction of new airports in Gujarat has been received from the Government of Gujarat.

Nature tourism in Gujarat and Maharashtra

2317. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government are paying adequate attention towards nature tourism in Gujarat and Maharashtra;

(b) if so, whether the places that have been identified by Government for the purpose;

(c) whether it is a fact that accommodation also exists at nature tourism spots;

(d) whether Government have allocated special funds for the purpose in the current financial years; and

(e) if so, the details thereof and the measures contemplated by Government for providing accommodation facilities at reasonable rates?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (e) Development of Tourism infrastructure is primairly